गज़ल

जादू सा मुझ पे हो गया इक तेरे प्यार का
देखा है जब से जलवा नूरी दीदार का

1– निज चरणों में बिठाना रस प्रेम का पिलाना
वानी मधुर सुनाना कुलजम के सार का

2– इक बार फिर दिखा दे दिल की लगी बुझा दे
प्याला तू वो पिला दे इश्के प्यार का

3– जिस पे मेहर तू कर दे प्यार से झोली भर दे
अंगना को सुख दिया अंगीकार का

4– अंगना हूं मैं तेरी सुन लो पुकार मेरी
अर्श अजीम में उठा दो जलवा दिखा दो नूर का